आईआईएफएल (IIFL) का 'धन की बात' अभियान 2018 तक 5 करोड़ लोगों तक पहुंच जाएगा

भारत के सबसे विशाल डाईवर्सिफाईड फाईनेंशियल सर्विसेस समूहों में से एक, आईआईएफएल (इंडिया इन्फोलाईन) ग्रुप ने आम नागरिकों को वित्तीय स्वतंत्रता की दिशा में सही मार्ग का चयन करने में मदद करने के लिए वित्तीय ज्ञान बढ़ाने वाला अभियान – 'आईआईएफएल धन की बात' लॉन्च किया है।

यह भारत में किसी संस्थान द्वारा वित्तीय ज्ञान बढ़ाने के लिए चलाया गया सबसे विशाल निशुल्क अभियान है। 20,000 करोड़ रु. से अधिक की मार्केट कैपिटलाईज़ेशन के साथ आईआईएफएल का लक्ष्य अपने विभिन्न माध्यमों जैसे वेबसाईट, समाचारपत्रों, टेलीविजन तथा ऑनग्राउंड गतिविधियों की मदद से वर्ष 2018 के अंत तक 5 करोड़ लोगों तक पहुंचना है। आईआईएफएल के पास 40 लाख से अधिक ग्राहक हैं और यह पूरे भारत में सेवा उपलब्ध कराता है।

आईआईएफएल समूह के चेयरमैन, निर्मल जैन ने कहा, ''हमारा मिशन हर भारतीय को वित्तीय स्वतंत्रता प्रदान करना है। आईआईएफएल का लक्ष्य अपने वित्तीय ज्ञान अभियान, 'धन की बात' को सरकार की सफल 'जन धन – आधार– मोबाईल' (जैम) योजना की उपलब्धियों के साथ पंक्तिबद्ध करना है।'' उन्होंने कहा, ''वित्तीय साक्षरता आज के समय की जरूरत है।''(19-10)

एचएसआइएल ने सूरत में क्यूयूईओ कॉन्सेप्ट स्टोर का शुभारंभ किया

भारत में बाथरूम उत्पाद बनाने वाली अग्रणी कंपनी एचएसआइएल लिमिटेड ने हाल ही में सूरत में अपने पहले क्यूयूईओ कॉन्सेप्ट स्टोर का शुभारंभ किया। इस स्टोर का नाम नंदिनी सिरैमिक्स वर्ल्ड है और यह व्रजधाम, सुदामा चौक, मोटा वाराछा के पॉश इलाके में स्थित है। 1200 वर्ग फीट में फैला यह स्टोर सूरत के पारखी ग्राहकों की सौंदर्य संबंधी विभिन्न जरूरतों को पूरा करेगा। इस स्टोर का उद्घाटन श्री संदीप सोमानी, वीसीएमडी, एचएसआइएल लिमिटेड ने किया। श्री मनीष भाटिया, प्रेसिडेंट, बिल्डिंग प्रोडक्ट्स डिविजन, एचएसआइएल लिमिटेड भी इस अवसर पर मौजूद थे।

यह स्टोर ग्राहकों को विभिन्न लग्जरी बाथवेयर उत्पादों की सीरीज उपलब्ध करायेगा। इसे तीन अंतर्राष्ट्रीय डिजाइनरों रोमैनो एडोलिनी, फेड्रिको टोम्बोलिनी और फ्रैंको वालेरी द्वारा डिजाइन किया गया है। अन्य उत्पाद श्रृंखलाओं को फेलिसा, जिनिया, ओरका, एल्ला मोडा और एल बानो ने डिजाइन किया है।

इस अवसर पर श्री संदीप सोमानी, वीसीएमडी, एचएसआइएल लिमिटेड ने कहा, ''हमें अपने आकर्षक सफर में एक और उपलब्धि हासिल कर बहुत खुशी हो रही है। हम 2011 में पहले ब्रांड क्यूयूईओ को भारत लेकर आये क्योंकि हमने देश में लग्जरी बाथ स्पेस सेगमेंट में क्रांति देखी थी। प्रयोज्य आय में बढ़ोतरी और ग्राहकों की बढ़ती पसंदों ने गुजरात, खासतौर से सूरत में व्यापक आर्थिक विकास को बढ़ावा दिया है। हमारा मानना है कि इस स्टोर के शुरू होने से, हम न सिर्फ उत्कृष्ट बाथवेयर उत्पादों की बढ़ती मांग को पूरा करने में सक्षम होंगे बल्कि इस क्षेत्र में अपनी उपस्थिति को भी सुदृढ़ बनायेंगे। इस लॉन्च के साथ, अब गुजरात में हमारे 10 क्यूयूईओ स्टोर्स हो गये हैं।''(20-4)

वर्ल्ड फूड इंडिया 2017 द्वारा विष्व की खाद्य अर्थव्यवस्था में भारत की भूमिका मजबूत होगी

भारत अपनी सबसे बड़ी फूड ईवेंट की मेजबानी करने की तैयारी कर रहा है, जो खाद्य अर्थव्यवस्था को पूरी तरह से बदल देगी और किसानों की आय को दोगुना करेगी । इस मौके पर फूड प्रोसेसिंग उद्योग के लिए माननीय मंत्री, श्रीमति हरसिमरत कौर बादल ने आज उद्योग के लीडर्स, विदेशी मिशन व मीडिया को एक इंटरेक्टिव वार्ता में वर्ल्ड फूड इंडिया 2017 के विस्तार व भव्यता की झलक पेश की। यह 3 नवंबर से 5 नवंबर, 2017 तक नई दिल्ली के इंडिया गेट के पास विज्ञान भवन एवं इंडिया गेट लाउंज में आयोजित होने वाले तीन दिवसीय बिजनेस प्लेटफॉर्म का एक पूर्ववर्ती सत्र है।

यह सत्र वर्ल्ड फूड डे के जश्न के साथ आयोजित हुआ है, जिसमें माननीय मंत्री ने 'नो वेस्ट ऑन माई प्लेट' अभियान के साथ खाद्य पदार्थों की बर्बादी रोकने के लिए युद्धस्तर पर कार्य करने का संकल्प लिया है। यह अभियान सरकार के दो महत्वपूर्ण लक्ष्य प्राप्त करने के लिए एक सामरिक प्रयास का कार्य करेगा। ये दो लक्ष्य 2022 तक किसानों की आय को दोगुना करना और फसल कटाई के बाद होने वाले नुकसान को कम करना हैं। इन दो लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए भारत की फूड वैल्यू चेन में समाधानों के सहविकास और सहयोग के लिए वैश्विक एवं भारतीय लीडर्स को एक समान मंच पर लाया जाएगा।

वर्ल्ड फूड इंडिया 2017 के लिए अपने लक्ष्यों के बारे में बताते हुए, श्रीमति हरसिमरत कौर बादल ने कहा, भारत फूड का दूसरा सबसे बड़ा निर्माता है, जो दूध, फल और सब्जियों, अनाज और मैराईन उत्पादों में सबसे आगे है। भारत में 127 एग्रो क्लाईमेटिक जोंस तथा खाद्य पदार्थों का आयात करने वाले देशों के साथ नजदीकी के कारण अपार संभावनाएं हैं। (20-4)

संपादक–चुनीलाल एस. भट्ट, मुद्रक एवं प्रकाशक–मयुर सी. भट्ट, प्रकाशन स्थल–201, 202, 208 नंदन कोम्पलेक्ष, मीठाखली, अहमदाबाद–6. मालिक–कल्याणी पब्लिकेशन प्रा.लि. द्वारा महादेव ऑफसेट, बी–4, रवि एस्टेट, रूस्तम मिल कम्पाउंड, दूधेश्वर, अहमदाबाद में छपवाकर प्रकाशित किया।
फोन–26568477, 26409779.
E : alpaviram1@yahoo.com

रक्षा राज्य मंत्री ने जबलपुर में आयुध निर्माणियां, वाहन निर्माणियां और बन्दूक गाड़ी निर्माणियां का दौरा किया

रक्षा राज्य मंत्री, डॉ. सुभाष भामरे ने कल खमारिया में आयुध निर्माणियाँ का दौरा किया। सुरक्षा दल द्वारा सलामी गारद के पश्चात उन्होने निर्माणियाँ निर्मित उत्पादों की प्रदर्शनी देखी। उनके साथ जबलपुर के संसद सदस्य श्री राकेश सिंह और जबलपुर कैंट क्षेत्र के (एम एल ए) विधानसभा के सदस्य श्री अशोक रोहनी थे। उन्होने पूर्ण जिज्ञासा से 125 एम एम एफ एस एपीडी एस विरोधी टैंक गोला बारूद मैंगो परियोजना को देखा। तत्पश्चात मंत्री महोदय ने 84 एम एम गोला बारूद की नई विभिन्नताओं के निर्माण की अत्याधुनिक नई उत्पादन रेखा का उदघाटन किया । मंत्री महोदय ने 106 एम एम आर सी एल के निर्माण के लिये आयुध निर्माणियाँ, खमारिया के प्रयासों की प्रशंसा की। उन्होने नये गोला–बारूद के निर्माण के लिये उपलब्ध सुविधाओं पर खुशी जाहिर की। उन्होने निर्माणियाँ के प्रयासों की प्रशंसा की और आगन्तुक पुस्तक में अपने विचार दर्ज भी किये।

मिल्टन इलेक्ट्रॉन एवं फ्यूट्रॉन टिफिन्स: सर्वश्रेष्ठ नवाचार और सहजता का आनंद उठायें

अहमदाबाद, मौजूदा दौर के कामकाजी पेशेवरों का ऑफिस में शेड्यूल काफी व्यस्त रहता है। इसी के साथ ऑफिस में लंच ब्रेक भी बेहद सीमित समय के लिये होता है, जिससे उनकी समस्या और भी बढ़ जाती है। समय कम होने के कारण सभी लोग ऑफिस के माइक्रोवेव में अपने खाने को गर्म करने के लिये ज्यादा इंतजार नहीं कर पाते। इसके साथ ही ऑफिस के पेंट्री में बैठकर खाने का मजा लेने के लिये जगह ढूंढना भी एक मुश्किल काम होता है। इन सभी के अलावा, टिफिन से खाना लीक होने जैसी समस्यायें भी उनकी चिंता को और बढ़ा देती है। इन सभी कारणों की वजह से लोगों को ठंडा भोजन करना पड़ता है और इस तरह वे खाने का आनंद उठाने से वंचित रह जाते हैं। भारत में हाउसवेयर उत्पादों की अग्रणी कंपनी मिल्टन इन प्रमुख समस्याओं को समझती है। कंपनी ने अपने इलेक्ट्रॉन एवं फ्यूट्रॉन टिफिन्स के साथ परफेक्ट सॉल्युशन पेश किया है। यह एक खोजपरक एवं बेमिसाल उत्पाद है, जो आपको किसी भी स्थान के प्लग–प्वाइंट से अपने टिफिन को प्लग करने और सिर्फ 30 मिनट में गरमा–गरम खाने क आनंद उठाने में सक्षम बनाता है।

इलेक्ट्रॉन और फ्यूट्रॉन टिफिन्स तीन एवं चार कंटेनर्स की रेंज में उपलब्ध है। यह इनोवेशन, स्टाइल और कम्फर्ट का परफेक्ट संयोजन है, जो अतिरिक्त प्रयास को कम करता है और समय बचाता है। इन नये नवाचारों के साथ आप अपनी डेस्क पर न सिर्फखाने, बल्कि गरमागरम खाने का आनंद उठा सकते हैं। इसकी विशेष ड्यूरेबल हीट रेजिस्टेंट प्लास्टिक और इलेक्ट्रिक शॉक प्रूफबॉडी लंबे समय तक इसका इस्तेमाल सुनिश्चित करती है। इसकी पीयू इंसुलेटेड लिड खाने को गर्म करने के बाद लंबे समय तक गरम बनाये रखती है। (22-1)

दिल्ली में पहली बार आयोजित होगा ड्रिंक टेकनोलॉजी इण्डिया

पेय (बेवरेज), डेयरी एवं तरल खाद्य प्रसंस्करण उद्योग का सालाना मेला, ड्रिंक टेकनोलॉजी इण्डिया पहली बार नई दिल्ली के प्रगति मैदान स्थित प्रदर्शनी केन्द्र में 26 से 28 अक्टूबर 2017 को आयोजित किया जा रहा है। कारोबार मेले का आयोजन अब से भारत में हर साल होगा।

मूल रूप से, ड्रिंक टेकनोलॉजी इण्डिया (डीटीआई) 2017 की योजना नई दिल्ली के प्रगति मैदान में केवल एक प्रदर्शनी हॉल के लिए बनाई गई थी। हालांकि भारत में इस सेक्टर की बढ़ती मांग और डीटीआई की लोकप्रियता के चलते प्रदर्शनी का आयोजन एक हॉल से ज़्यादा प्रदर्शनी स्थल पर किया जा रहा है। डीटीआई 2017 ने बड़ी संख्या में प्रदर्शकों को आकर्षित किया है। 2000 से अधिक प्रदर्शक हज़ारों ब्राण्ड्स के साथ शो में हिस्सा ले रहे हैं। प्रदर्शनी में हिस्सा लेने वाली कम्पनियों में एसीई टेकनोलॉजीज़, एंटन पार, कैमको ग्रुप, क्रोमे डिस्पेन्स, रेप्यूट इंजीनियर्स, आर जे ब्रूइंग और द ब्रूमास्टर शामिल हैं।

मैस्से म्युनशेन इण्डिया के सीईओ भुपिंदर सिंह ने कहा, ''ड्रिंक टेकनोलॉजी इण्डिया ने बड़ी संख्या में प्रदर्शकों को आकर्षित किया है। प्रदर्शनी स्थल का तीन महीने पहले ही पूरी तरह से बिक जाना प्रतिभागियों के उत्साह की पुष्टि करता है। हम नई दिल्ली में आयोजित इस प्रदर्शनी में उद्योग जगत का स्वागत करते हैं।''

भारत में बेवरेज, डेयरी, लिक्विड फूड एवं इससे सम्बन्धित पैकेजिंग उद्योग की मांग तेज़ी से बढ़ रही है। ''नई दिल्ली, मुम्बई और बैंगलोर में बारी–बारी से आयोजित किया जाने वाला यह मेला उत्तरी, दक्षिणी एवं पश्चिमी भारत को कवर करेगा। इस तरह हम देश भर में प्रभावी तरीके से अपनी सेवाएं प्रदान कर सकेंगे।'' डीटीआई के प्रदर्शनी निदेशक मार्कस कोसक ने कहा। (1-7)

रिलायंस निप्पॉन लाइफएसेट मैनेजमेंट लिमिटेड का आईपीओ 25 अक्टूबर को सार्वजनिक होगा

अहमदाबाद, भारत की सबसे बड़ी परिसंपत्ति प्रबंधन कंपनियों में से एकए रिलायंस निप्पॉन लाइफएसेट मैनेजमेंट लिमिटेड (कंपनी) द्वारा अपने प्रारंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव (आईपीओ या प्रस्ताव) का लोकार्पण किया जाएगा। यह प्रस्ताव बुधवारए 25 अक्टूबर, 2017 से शुरू होगा और शुक्रवार 27 अक्टूबर, 2017 को समाप्त होगाए जिसमें कंपनी के 10 रुपये के फेस वैल्यू के प्रत्येक इक्विटी शेयर का प्राइस बैंड 247 रुपये से 252 रुपये होगा (इक्विटी शेयर)। एंकर इन्वेस्टर के लिए बोली / प्रस्ताव की तारीख 24 अक्टूबरए 2017 होगी, अर्थात वे बोली / प्रस्ताव के शुरुआत की तिथि से एक कार्य दिवस पूर्व बोली लगाएंगे।

आईपीओ में कंपनी के 24,480,000 इक्विटी शेयरों के (नए निर्गम) तथा रिलायंस कैपिटल लिमिटेड एवं निप्पॉन लाइफइंश्योरेंस कंपनी (एक साथ, प्रवर्तक विक्रेता शेयरधारक) के 36,720,000 इक्विटी शेयरों की बिक्री के प्रस्ताव शामिल हैं। मौजूदा प्रस्तावए कंपनी द्वारा प्रस्ताव जारी किए जाने के बाद चुकाए गए इक्विटी शेयर पूंजी का 10.00: होगा।

प्रतिभूति संविदा (विनियमन) अधिनियम, 1957, (एससीआरआर) के रूप में संशोधितए के नियम 19(2)(b)(iii) के संदर्भ में यह कंपनी द्वारा प्रस्ताव के बाद चुकाए गए इक्विटी शेयर पूंजी के कम से कम 10% हिस्से के लिए जारी किया जाएगा। यह प्रस्ताव भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (पूंजी एवं प्रकटीकरण आवश्यकताओं का निर्गम) अधिनियम, 2009, (सेबी आईसीडीआर नियमन) के रूप में संशोधितए के नियम 26(1) के अनुसार बुक बिल्डिंग प्रक्रिया के माध्यम से किया जा रहा हैए जिसमें इश्यू का 50% आनुपातिक आधार पर पात्र संस्थागत खरीदारों (क्यूआईबी हिस्सा) को आवंटित किया जाएगाए गौरतलब है कि हमारी कंपनी और प्रवर्तक विक्रेता शेयरधारक, जीसीबीआरएलएम तथा बीआरएलएम के परामर्श से स्वनिर्णयगत आधार पर एंकर निवेशकों को एंकर इन्वेस्टर आवंटन मूल्य पर क्यूआईबी के हिस्से के 60% तक (एंकर इन्वेस्टर्स का भाग) का आवंटन कर सकती हैए जिसमें से केवल एक तिहाई को घरेलू म्यूचुअल फंडों के लिए आरक्षित किया जाएगाए जो सेबी के नियमों के अनुसार एंकर इन्वेस्टर के प्रस्ताव मूल्य पर या उससे ऊपर घरेलू म्यूचुअल फंडों से प्राप्त वैध निविदा के अधीन है। एंकर इन्वेस्टर के हिस्से में अपेक्षा से कम आवंटन अथवा गैर–आवंटन की स्थिति में इक्विटी शेयर के शेष भाग को निवल क्यूआईबी हिस्से में शामिल कर दिया जाएगा। (3-1)

2006 की महत्वपूर्ण सिरीज, 'प्लानेट अर्थ' का पुनरावलोकन करें, केवल सोनी बीबीसी अर्थ पर

2000 दिन, 71 कैमरामेन, 204 लोकेषंस और 1 शो ! सेनी बीबीसी अर्थ पर 14 अक्टूबर, सुबह 11 बजे से पुरस्कार विजेता प्राकृतिक इतिहास पर आधारित सिरीज प्लानेट अर्थ का प्रीमियर होने जा रहा है। यह बहुप्रशंसित प्लानेट अर्थ प्प् की पहली किस्त है, जिसका प्रीमीयर हाल में इसी चैनल पर हुआ था।

सर डेविट एटनबरो के बेमिसाल अंदाज और गहरी जानकारी से भरे आख्यान के साथ प्रस्तुत प्लानेट अर्थ 2006 में प्रसारित ग्यारह एपिसोड वाली महत्वपूर्ण ब्रिटिष टीवी सिरीज है। उस दौर में दुनिया भर में इस सिरीज की धूम मची हुई थी और इसे अनेक पुरस्कार दिए गए थे। शानदार टीम, एचडी फोटोग्राफी और विषेष रूप से तैयार फिल्मिंग तकनीकों से निर्मित प्लानेट अर्थ आपको दृष्यों एवं ध्वनियों का ऐसा अनुभव होगा जो दोबारा मिलना मुष्किल है। मूल टेलीकास्ट के समय इस शो का अविश्वसनीय आकर्षण था और आज भी वह आकर्षण बरकरार है।

इसका प्रसारण सोमवार से आरंभ हो रहा है। निर्जन वनप्रांतरों में फिल्माई गई इस अद्भुत और रोमांचक सिरीज को देखना नहीं भूलें, केवल सोनी बीबीसी अर्थ #फ ील अलाइव पर। (20-4)

अद्भुत शो 'स्पाई इन द वाइल्ड' में पशु जगत का अवलोकन करें, केवल सोनी बीबीसी अर्थ पर

पहली बार 'रोबोटिक खुफिया प्राणियों' ने पशुओं के निजी जीवन में घुसपैठ की, उनके बातचीत की और इस रहस्य से पर्दा उठाया है कि उनमें और मानवों में कितनी समानता है। यह सब आप देख सकेंगे सोनी बीबीसी अर्थ के ताजगी भरे अद्भुत और अत्यंत मनोरंजक शो, 'स्पाई इन द वाइल्ड' में। इस शो का प्रसारण 16 अक्टूबर से रात 9 बजे हो रहा है।

पशुओं के समान दिखने वाले 30 रोबोटिक जासूस प्राणियों की मदद से इस शो में अलग–अलग पशु किस प्रकार जीते हैं, प्यार करते और सीखते हैं – मानवों के समान – इसकी अंतरंग दृश्यों को उजागर किया गया है। हरेक एपिसोड में प्रेम, बुद्धि, मित्रता और शरारत जैसे विशिष्ट मानवी भावनाओं की पड़ताल की गई है। इस शो में खुफिय कैमरों की मदद से बेहद खूबसूरती के साथ दाइयों के रूप में काम करने वाली हस्तिनी बुआओं, पैरों की सफाई करवाने वाले गैंडों से लेकर पियक्कड़ बंदरों तक ऐसे अनेक अनदेखे–अनजाने पलों को कैद किया गया है, जो अप्रत्याशित परिदृश्यों से प्रगट होते हैं और पहले कभी नहीं देखे गए हैं।

स्पाई इन द वाइल्ड में अभूतपूर्व ढंग से पशु जगत से जुड़ने को तैयार रहे, केवल सोनी बीबीसी अर्थ रुफील अलाइव पर! (20-4)

इंडसइंड बैंक और भारत फिनांशियल इनक्लूजन ने की विलय की घोषणा

मुंबई, इंडसइंड बैंक लिमिटेड (इंडसइंड) के निदेशक मंडल और भारत फिनांशियल इनक्लूजन लिमिटेड के निदेशक मंडल ने आज आयोजित अपनी बैठक में एक मजबूत वित्तीय समावेशन के लिए और अधिक टिकाऊ मंच बनाने के लिए दोनों संस्थाओं के विलय को मंजूरी दे दी है.

ये विलय एक समग्र योजना व्यवस्था (कंपोजिट स्कीम ऑफ अरेंजमेंट) (स्कीम) के जरिए इंडसइंड में भारत फिनांशियल इनक्लूजन लिमिटेड के सभी स्टॉक लेनदेन के माध्यम से किया जाएगा. यह स्कीम इंडसइंड के साथ भारत फिनांशियल इनक्लूजन लिमिटेड का विलय और भारत फिनांशियल इनक्लूजन लिमिटेड के बिजनेस कॉरस्पोंडेंट ऑपरेशंस को इंडसइंड की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी के साथ स्थानांतरित करेगी, जो अपेक्षित नियामक अनुमोदन (बीसी–डब्ल्यूओएस) प्राप्त करने के बाद की जाएगी. बीसी–डब्ल्यूओएस द्वारा उत्पन्न सभी परिसंपत्तियों और देनदारियों को इंडसइंड की बैलेंस शीट में बुक किया जाएगा. इस स्कीम का एक अभिन्न हिस्सा होने के नाते, भारतीय रिजर्व बैंक और सेबी के दिशानिर्देशों के अनुसार इंडसइंड के प्रमोटरों को वारंट आवंटन किया जाएगा, जो कि एक अप्रतिबंधित उपाय है.

यह स्कीम भारतीय रिजर्व बैंक, भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग, भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड, स्टॉक एक्सचेंज, शेयरधारकों और इंडसइंड और भारत फिनांशियल इनक्लूजन लिमिटेड, नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल और लेनदारों और ऐसे अन्य नियामक अनुमोदन, के अनुमोदन के अधीन है, जिनकी आवश्यकता हो सकती है.(1)

समय आ गया है कि आम पर्यटन स्थलों पर जाने के बजाय भारतीय देश के खूबसूरत नुक्कड़ों, कोनों को खोजें

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने हाल ही के संवाद 'मन की बात' में लोगों से अपील की कि वे अद्भुत भारत के विभिन्न अद्भुत स्थलों को खोजें। इसी से प्रेरित पर्यटन मंत्रालय ने पर्यटन पर्व का आयोजन किया है जिसे 'भारतीय समृद्ध पर्यटन धरोहर के उत्सव' के रूप में माना जा रहा है 7

केंद्रीय पर्यटन मंत्रालय अन्य केंद्रीय मंत्रालयों, विभिन्न राज्य सरकारों और निवेशकों के साथ मिलकर पर्यटन पर्व का आयोजन समस्त भारत में 5-25 अक्टूबर, 2017 हो रहा है। इसका उद्देश्य पर्यटन के लाभों पर ध्यान आकर्षित करना, हमारी सांस्कृतिक विविधता का प्रदर्शन करना एवं 'सबके लिए पर्यटन' के सिद्धांत को सुदृढ़ करना है ।

यह एक अद्भुत संयोग है कि पर्व–प्रेमी भारत देश में इस पर्यटन पर्व का आयोजन उस समय किया जा रहा है जब देश में त्योहारों कि धूम एवं उत्साह का माहौल है। साथ ही यह समय ऐसा है जब लोग घर व शहर से बाहर निकलकर किसी स्थान पर घूमने का समय निकालते हैं परन्तु आमतौर पर लोग नए, शांत और थोड़े अनजान स्थान खोजने के बजाय उन्हीं पुरानी और भीड़भाड़ वाली जगहों पर जाते हैं। समय आ गया है कि आम पर्यटन स्थलों पर जाने के बजाय भारतीय देश के खूबसूरत नुक्कड़ों, कोनों को खोजें, होटलों में ठहरने के बजाय पारंपरिक एवं सांस्कृतिक लोगों के साथ रहें।

पर्यटन पर्व यही अवसर देता हुआ दिखाई दे रहा है। भारत सरकार की इस योजना से दो अति महत्त्वपूर्ण बातें मेरी समझ में आई हैं – 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' योजना के अंतर्गत अन्तर्राज्यीय संबध तथा सी.बी.एस.ई. मान्यता प्राप्त विद्यालयों को अन्य गतिविधियों के साथ विरासत रूप स्मारकों की यात्रा हेतु दिशा–निर्देश देना।

देखा जाए तो स्कूली बच्चों के लिए स्मारकों के दर्शन का विचार नया नहीं है लेकिन 'पर्यटन एवं अध्ययन' से इसे जोड़ना इसे नया बनाता है। कल्पना करें कि एक कक्षा महाराष्ट्र के एक किले में बैठकर छत्रपति शिवाजी की विजय के बारे में पढ़ रही हो या अकबर ने क्या किया यह आगरा के किसी किले में बैठकर सीखा जा रहा हो। ये स्मारक ज्ञान एवं जानकारी का खजाना हैं। वे केवल इतिहास के पाठ ही उपलब्ध नहीं कराते बल्कि उस युग के शिल्पकला और परंपरागत प्रथाओं से भी अवगत कराते हैं। वास्तविक दर्शन से बेहतर सीखने का कोई और तरीका नहीं हो सकता।

भारत का सौभाग्य है कि यह 3500 से अधिक स्मारकों से संपन्न है और 10,000 अन्य स्मारकों की देख–रेख राज्य सरकारें करती हैं।

इसी प्रकार कल्पना करें कि केरल हिमाचल प्रदेश के साथ इस प्रकार का आगमन–निगमन करे या मध्य प्रदेश नागालैंड और मणिपुर के बारे में अधिक जानकारी की खोजबीन करे। कितनी सुन्दर संकल्पना होगी यदि अच्छी तरह स्थापित हो। आदि शंकराचार्य ने चार धामों की स्थापना देश के चार कोनों में और बारह ज्योतिर्लिंगों की स्थापना देश के विभिन्न स्थलों पर इसी संकल्पना सिद्धि के लिए की थी।

न केवल तीर्थ स्थलों के लिए परन्तु विस्तृत धरती की समृद्ध परम्पराओं और संस्कृति को जानने के लिए लोगों को अन्य राज्यों, शहरों से भी जुड़ना चाहिए। इसी सोच और ध्येय को धारण कर पर्यटन मंत्रालय ने 'पर्यटन पर्व' की संकल्पना की जिससे एक–दूसरे की भाषा, संस्कृति, परंपरा एवं प्रथाओं का ज्ञान प्राप्त कर बेहतर संबंध बने। यह भारतीय एकता एवं अखंडता का सशक्तिकरण होगा।

घरेलु पर्यटन का उदय

नमस्ते ! पूरे विश्व में भारत की पहचान रहा है। लम्बे समय से भारत ने विश्वभर के पर्यटकों को आकर्षित किया है। जब विदेशी सैलानियों से विदेशी मुद्रा का भारत आना और उन्हें यहाँ प्राथमिकता दिया जाना महत्त्वपूर्ण है, तब घरेलू पर्यटकों को भी नज़रंदाज़ न करना उतना ही ज़रूरी है।

पर्यटन मंत्रालय की सालाना रिपोर्ट के अनुसार 2016-17 में घरेलू पर्यटन का महत्त्वपूर्ण योगदान भारतीय पर्यटन सेक्टर में रहा है। राज्य पर्यटन एवं पर्यटन मंत्रालय के आकंड़ों के अनुसार घरेलू सैलानियों की संख्या 2014 में 1282.8 मिलियन के मुकाबले 2015 में 1432 मिलियन रही, जो 11.63त्न वृद्धि थी।

विदेशी सैलानियों के आगमन का यह आंकड़ा(8.03 मिलियन) बहुत बड़ा है तथा पिछले साल के मुकाबले 4.5 त्न की वार्षिक वृद्धि भी दिखा रहा है। निवेशकों और इस सेक्टर से जुड़े लोगों को घरेलू पर्यटन के बढ़ते झुकाव को समझने की ज़रुरत है।

उदाहरण के तौर पर लगभग 190.67 मिलियन सैलानी 1999 में थे जो 2015 में बढ़कर 1,431.97 मिलियन हो गए। इस उद्योग ने 16 सालों में 651.02त्न का उदय देखा। इसी को ध्यान में रखते हुए सरकार ने मार्च 2018 तक संशोधित पर्यटन पॉलिसी बनाने कि पहल की है। पहले एक समय ऐसा था जब लोग केवल तीर्थयात्राओं के लिए ही बाहर निकलते थे और यह केवल अमीर लोगों का ही शौक हुआ करता था, परन्तु अब आम महिला पुरुष भी सामान्य स्थलों के अलावा नई जगहों कि खोज कर रहे हैं। इस प्रकार घरेलू पर्यटन का दायरा बढ़ा है जिससे सरकार और निवेशकों को सकारात्मक रवैया अपनाकर इस सेक्टर को और आगे बढ़ाने के लिए संभव द्वार खुले हैं।

पर्यटन आधारिक संरचना एवं आम जीवन

पर्यटन मंत्रालय और अन्य मत्रालयों के साथ राज्य सरकारों द्वारा बनाई गई विस्तृत योजना इसकी विविधता और असीम संभावनाओं पर ध्यान केन्द्रित करती है कि कैसे इसका प्रभाव अन्य मंत्रालयों/ क्षेत्रों– शिक्षा, संस्कृति, कपड़ा–उद्योग एवं उत्तर–पश्चिमी राज्यों के विकास, ग्रामीण विकास और सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय पर पड़ता है। पर्यटन को निश्चित एवं स्थिर आधारिक संरचना की, शांतिपूर्ण क़ानून व्यवस्था की और निमंत्रित सैलानियों की आवश्यकता है।

CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT
NOTICE INVITING e-TENDER

The Executive Engineer, Gandhinagar Central Division, CPWD Gandhinagar - 382043 invites on behalf of The President of India online percentage rate bids from approved and eligible contractors of CPWD for following work :-

NIT No: 09/EE/GCD/2017-18- Recall

Name of Work :- Providing ramps & upgradation of 38 Nos. toilets in Elite Hostel at SAI campus Sector- 15, Gandhinagar, Gujarat.

Estimeted Cost : Rs.59,17,213/-, Earnest Money Rs. 1,18,344/-,Time : 04 (Four) Months, Last Time & date of submission of **bids Up to 03:00 PM on 23.10.2017.**

The tender forms and other details can be obtained from the website **www.tenderwizard.com/CPWD or www.cpwd.gov.in** or **www.eprocure.gov.in.**

The Press Notice is also available on www.eprocure.gov.in

सूचना
कृपया आपके विज्ञापन व समाचार हमारे निम्न लिखित ई-मेल पर ही भेंजे :
alpaviram@gmail.com